प्राक्कथन

भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक के इस प्रतिवेदन में भारतीय रेल द्वारा रेल नेटवर्क को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी परियोजनाओ पर की गई निष्पादन लेखापरीक्षा के परिणाम शामिल है। लेखापरीक्षा ने 2007 से 2013 तक की अवधि को कवर किया।

यह रिपोर्ट रेल मन्त्रालय तथा जोनल रेलवे से सम्बधित फाइलों तथा दस्तावेजों की सवीक्षा से तैयार की गई है। विशेष उद्देश्य वाहनों के साथ किए गए करार की भी जाच की गई।

रिपोर्ट भारत के सविधान के अनुच्छेद 151(1) के अन्तर्गत राष्ट्रपति को प्रस्तुत करने के लिए तैयार की गई है।